(vii) भूगोल एवं इतिहास (Geography and History) :→ विश्व का सम्पूर्ण इतिहास प्राकृतिक से प्रभावित रहा है क्योंकि मानव सभ्यता का विकास नदि की-घाटियों एवं उपजाऊ मैदानी भागों से रहा है। भूगोल में भी मानव के भौगोलिक पर्यावरण तथा परिस्थितियों का गहरा प्रभाव पड़ता है। किसी प्रदेश में जनसंख्या, कृषि, पशुपालन, खनन, उद्योग-धंधो, परिवहन के संसाधनों, व्यापारिक एवं वाणिज्यिक संस्थाओं आदि का ऐतिहासिक विकास का अध्ययन मानव भूगोल में किया जाता है।

(viii) भूगोल एवं समाज शास्त्र (Geography and Sociology) :→ समाजशास्त्र में मनुष्यों के सामाजिक जीवन, व्यवहार, समाज की उत्पति, विकास, संरचना सामाजिक संस्थाओं का अध्ययन, वर्गों, समूहों, समुदायों, रीति-रिवाज, प्रथा तथा नियमों आदि का वर्णन किया जाता है जिसका प्रभाव भौगोलिक पर्यावरण से सम्बंधित अतः समाजशास्त्रीय अध्ययनों में भौगोलिक ज्ञान आवश्यक होता है।

(ix) भूगोल एवं राजनीति शास्त्र (Geography and Political Science) :-

राजनीति शास्त्र में शासन व्यवस्था, राज्यों की शासन प्रणाली, सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय सम्बंधों सीमा, विस्तार आदि का वर्णन मिलता है। जबकि भूगोल के अन्तर्गत राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिमाओं एवं राजनीतिक घटनाओं का अध्ययन किया जाता है। जर्मनी का एकीकरण, सोवियत संघ का विघटन इन सभी का अध्ययन राजनीतिक भूगोल में किया जाता है। अतः अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं का सही अध्ययन भूगोल के अध्ययन के बिना सम्भव नही है। इसमें भू-राजनीति (Geo-Politics) का सही अध्ययन जरूरी है।